पश्चिम रेलवे

राजकोट मंडल

हिंदी दिवस संदेश

प्रिय साथियो,

सर्वप्रथम आप सभी को ''हिंदी दिवस'' की हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को ''राजभाषा'' का दर्जा प्रदान किया और तब से अब तक हिंदी सभी सरकारी कार्यालयों में सरकारी कामकाज की भाषा अर्थात ''राजभाषा'' के रूप में विद्यमान है । हिंदी न केवल हमारे देश की राजभाषा है अपितु वह हमारे देश की संपर्क भाषा और राष्ट्रभाषा भी है । अपनी इस यात्रा के दौरान प्रगति पथ पर चलते-चलते और कई पड़ावों को पार करते-करते अब वह ''विश्व भाषा'' बनने की ओर अग्रसर है।

आज हम ''आत्मनिर्भर'' भारत की संकल्पना की ओर बढ़ रहे हैं। अत: हमें राजभाषा हिंदी के विकास के साथ-साथ स्थानीय भाषाओं के विकास पर भी ध्यान देना होगा ताकि आम जनता के साथ उचित संपर्क स्थापित कर सके । भाषा अभिव्यक्ति का वह माध्यम है जिसके द्वारा हम देश के किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं । भाषा की सरलता, सहजता और सुगमता इसे सार्थकता प्रदान करती है । भाषा के इन सारे पहलुओं को हिंदी ने अपने अंदर बड़ी खूबसूरती से समाहित किया है और इन्हीं गुणों के कारण वह राजभाषा बनने की हकदार है ।

सरकारी कार्यालयों में हिंदी के कामकाज को बढ़ावा देने तथा उसके विकास को गति प्रदान करने हेतु हमें प्रभावी रणनीति तैयार करनी होगी । इसके सफल कार्यान्वयन हेतु राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित बारह 'प्र' (प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, प्राइज, प्रशिक्षण, प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, प्रमोशन, प्रतिबद्धता और प्रयास) की नीति का अनुपालन करना होगा ।

राजकोट मंडल राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार एवं सफल कार्यान्वयन हेतु हमेशा प्रतिबद्ध है । मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 01.09.2021 से 14.09.2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं, साहित्यिक संगोष्ठी, कविता पाठ, प्रश्नमंच इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ।

आइए, आज हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा के प्रति संवैधानिक उत्तरदायित्व को पूरा करने हेतु हम संकल्प लेते हैं कि, - आज से हम अपने प्रत्येक दैनंदिन सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करेंगे और इस राष्ट्रीय कार्य में अपना योगदान देंगे ।

14 सितंबर, 2021
राजकोट

(अनिल कुमार जैन)
मंडल रेल प्रबंधक